TELANGANA STATE PUBLIC SERVICE COMMISSION

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name :	28 Paper Code Hindi 1st Dec 2021 Shift 1
Subject Name :	28 Paper Code Hindi
Duration :	180
Calculator :	Normal
Magnifying Glass Required? :	No
Ruler Required? :	No
Eraser Required? :	No
Scratch Pad Required? :	No
Rough Sketch/Notepad Required? :	No
Protractor Required? :	No
Show Watermark on Console? :	Yes
Highlighter :	No
Auto Save on Console? (SA type of questions will be always auto saved) :	No

28 Paper Code Hindi

Group Number :	1
Group Id :	881891303
Group Maximum Duration :	0

Group Minimum Duration :	180
Show Attended Group? :	No
Edit Attended Group? :	No
Break time :	0
Group Marks :	0
Is this Group for Examiner? :	No
Revisit allowed for group Instructions? :	Yes
Maximum Instruction Time :	0
Minimum Instruction Time :	0
Group Time In :	Minutes

28 Paper Code Hindi

Section Id :	881891303
Section Number :	1
Section type :	Offline
Mandatory or Optional :	Mandatory
Number of Questions :	1
Number of Questions to be attempted :	1
Section Marks :	0
Display Number Panel :	Yes
Group All Questions :	No
Enable Mark as Answered Mark for Review and Clear Response :	Yes

Section Instructions :

English :

Absolute

Sub-Section Number :	1
Sub-Section Id :	881891303

Question Number : 1 Question Id : 88189125845 Question Type : SUBJECTIVE

Correct Marks : 0

Total No. of Questions : 8]
Total No. of Pages : 2]

028-H

November - 2021
The Translation Test, Paper - II, Hindi
Lower Standard Written Examination
Translation from Hindi into English
(Without Books)

Time : 3 Hrs.] *[Max. Marks :100*

Note : 1) Candidate should attempt six Questions subject to alternatives or limitations, if any mentioned herein, or in each question. If more are answered, the last extra answers will be ignored.

2) Parts of the same question must be answered together and must not be interposed other question(s).

3) Authorities should be quoted in support of the answers.

4) Question No. 1 is compulsory.

5) Candidate should answer the paper in English only, except language Test or Surveyors Test, which should be answered in the language chosen only. In case of non-compliance, such Answer Script shall be invalidated.

1. आधुनिक काल का आरंभ विज्ञान की प्रगतियों का काल कहलाता है। आज हम प्रत्येक सांस वास्तव में ज्ञान - विज्ञान की विभिन्न प्रकार की उपलब्धियों की छाया में लेते है। घर - बाहर कही भी चले जाएं, प्रत्येक कदम पर वैज्ञानिक अविष्कारें दर्शन होते है। आज के युग को वैज्ञानिक युग कहा जाना सार्थक है। वास्तव में आज मानव जीवन अपने प्राकृतिक रूप से इतनी दूर जा चुका है कि उसका पहला रूप दिखाई ही नहीं पड़ता। वैज्ञानिक आविष्कारों के फलस्वरुप ही मानव निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर होता जाता रहा है। सुबह उठने से लेकर रात सोने तक हम जितनी भी वास्तुओं का प्रयोग करते है, वे सब वास्तु आधुनिक विज्ञान की ही देन है।

उपलब्धियों = Availability [20]

2. नियमित जीवन जीने का प्रयत्न ही अनुशासन है। अनुशासन किसी वर्ग या आयु विशेष के लोगों के लिए ही नहीं होता। यह सभी की आवश्यक्ता है। जिस जाति, देश और राष्ट्र में अनुशासन का अभाव हुआ करता है, वे अधिक समय तक अपना अस्तित्व नहीं बनाए रख सकते है। इस प्रकार जीवन में अनुशासन का बहुत अधिक महत्त्व है।

नियमित = Regular [16]

3. भिखारियों की समस्या हमारे देश के लिए बहुत बड़ा अभिशाप बन गयी है। प्रत्येक नगर गली और सडकों पर कोई - न - कोई भिखारी हमें अवश्य दिखाई देता है। भिखारी हमारे लिए उस समय सबसे अधिक अपमान का कारण बनते है जब वे किसी विदेशी को देखकर उनसे कुछ प्राप्त करने के लिए टूट पड़ते है। अतः भिखारियों की समस्या राष्ट्र पर एक कलंक है।

कलंक = Stigma [16]

4. आज के आधुनिक युग में व्यक्ति का जीवन अपने स्वार्थ तक सीमित होकर रह गया है। प्रत्येक कार्य के पीछे स्वार्थ प्रमुख हो गया है। समाज में अनैतिकता, अराजकता और स्वार्थपरता का बोलबाला हो गया है। परिणाम स्वरुप भारतीय संस्कृति और उसका पवित्र तथा नैतिक स्वरुप धुँधला-सा हो गया है।

स्वार्थपरता = selfishness

[16]

5. शरीर को स्वस्थ रखने के लिए बढ़िया शुद्ध भोजन चाहिए तो मस्तिष्क को योग्य बनाने के लिए उत्तम साहित्य चाहिए। जो ज्ञान प्राप्त करना चाहता है उसके लिए दो ही पवित्र स्थान है - एक विद्यालय और दूसरा पुस्तकालय। विद्यालय गुरुओं से निर्धारित और निश्चत भोजन पद्धति से ज्ञान आर्जित करने का स्थान है।

शुद्ध भोजन = Pure food [16]

6. हमारा देश जिन प्रमुख समस्याओं से जूंझ रहा है उसमें बेरोजगारी भी एक है। यह समस्या भारत में बहुत समय से चली आ रही है। वर्तमान समय में जैसा गंभीर रूप इसने धारण कर लिया है वैसा कभी नहीं था। किसी भी शहर में रोजगार कार्यालय के बाहर हर मौसम में खडी भीड़ इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है।

बेरोजगारी = Unemployment [16]

7. जिस ओर देखो उस ओर यही महंगाई का शोर है। यह एक कटु सत्य है। राक्षस की अंत की तरह मूल्यवृद्धि का घेरा निरंतर बढ़ता जा रहा है। आज जो वास्तु एक रूपये की मिलती है, कल परसों उसका दाम सवाया, दुगना भी हो जाया करता है।

कटु सत्य = Bitter truth [16]

8. मनुष्य का स्वभाव संवेदनशील व विनोद प्रिय रहा है। अपनी मानसिक व शारीरक थकान मिटाने के लिए वह मनोरंजन का सहारा लेता है। व्यवस्था और महंगाई के कारण न तो वह अधिक समय ही दे पाता है और न ही पैसा खर्च कर सकता है।

संवेदनशील = Sensitive [16]

****